आभार ज्ञापन

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में जब भी कभी हिन्दी साहित्य जगत् के भीतर साहित्यिक मंथन पर संवाद होता है तो अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवं मुक्त अध्ययन केन्द्र हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की अध्यक्षा प्रोफेसर जोगेश कौर की चर्चा सुर्खियों में रहती है। यह इनके श्रमसाध्य प्रयत्नों का ही फल है कि इन्होंने मात्र हिन्दी के लिये अपना जीवन समर्पित किया है। राजी सेठ के कथा साहित्य में कथ्य और शिल्प विषय पर पीएच0 डी0 उपाधि के निमित्त मुझे प्रोत्साहित करते हुये ना केवल गौरवान्वित किया है अपितु समर्पित छात्रा होने के नाते सेविका ने शोधपरक सूक्ष्म जानकारियाँ भी अर्जित की हैं जिनसे अन्ततोगतवा मुझे शोध कार्य सम्पन्न करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैं मन की गहराईयों से अपनी निर्देशिका प्रोफेसर जोगेश कौर का हृदय से आभार व्यक्त करना चाहती हूँ। निःसन्देह शोध के अन्तराल में शोधपरक समस्याओं को लेकर जब भी मेरा मन दुविधा की प्रतिकूल परिस्थितियों से गुज़रा ठीक उस समय प्रोफेसर जोश कौर ने जिस प्रकार से मेरा मार्गदर्शन करते हुये जटिल समस्याओं का समाधान किया वे क्षण मेरे मानस पटल पर अंकित होकर निकट भविष्य में भी मेरा मार्गदर्शन करते रहेंगे।

मैं अपने माता पिता, सास ससुर, पति श्री जयदेव सिंह गर्ग व बेटे ललितेश्वर गर्ग की सदैव ऋणी रहूँगी, जिन्होंने निरंतर मुझे अध्ययन कार्य के लिये प्रोत्साहित किया और व्यस्ताओं के रहते भी शोध के प्रति जिज्ञासा को मेरे मन में जगाए रखा। विशेष रूप से ससुराल वालों ने जिन्होंने मुझे बहू होने पर भी घर की जिम्मेदारियों से मुक्त रखा और मेरे रास्ते में आने वाली हर रुकावट को दूर करने में हमेशा मेरा साथ दिया और जिनकी प्रेरणा से मैं अपना शोध कार्य समय पर पूरा कर सकी।

कविता पंवर